

अपनी गंध नहीं बेचूँगा

स्वाध्याय [PAGE 81]

स्वाध्याय | Q (१) | Page 81

कृति पूर्ण कीजिए :

फूल बेचना नहीं चाहता

१. _____

२. _____

३. _____

४. _____

Solution: फूल बेचना नहीं चाहता

१. गंध

२. सौगंध

३. अनुबंध

४. प्रतिबंध

स्वाध्याय | Q (२) १. | Page 81

लिखिए :

फूल को बिक जाने से भी बेहतर लगता है

Solution: फूल को बिक जाने से भी बेहतर लगता है - मर जाना।

स्वाध्याय | Q (२) २. | Page 81

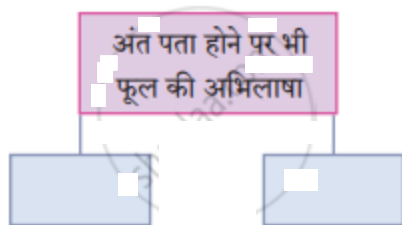
लिखिए :

फूल के अनुसार उसे तोड़ने का पहला अधिकार इन्हें है

Solution: फूल के अनुसार उसे तोड़ने का पहला अधिकार डाली, कोंपल और काँटों को है।

स्वाध्याय | Q (3) | Page 81

कृति पूर्ण कीजिए :



Solution: अंत पता होने पर भी फूल की अभिलाषा

- १) (मरने के पहले) एक-एक के घर जाना
- २) भूल-चूक के लिए माफ़ी माँगना

स्वाध्याय | Q (४) | Page 81

सूची बनाइए :

इनका फूल से संबंध है -

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

Solution: इनका फूल से संबंध है -

1. उपवन
2. डाली
3. कोंपल
4. काँटे

स्वाध्याय | Q (५) १. | Page 81

कारण लिखिए :

फूल अपनी सौगंध नहीं बेचेगा

Solution: अपनी गंध न बेचने की सौगंध फूल का संस्कार बन गई है, इसलिए फूल अपनी सौगंध नहीं बेचेगा।

स्वाध्याय | Q (५) २. | Page 81

कारण लिखिए :

फूल को मौसम से कुछ लेना नहीं है

Solution: फूल को मौसम से कुछ लेना-देना नहीं है उसे अपने अस्तित्व के लिए कुछ भी पाने की इच्छा नहीं है। इसलिए कैसा भी मौसम हो, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता।

स्वाध्याय | Q (६) | Page 81

‘दाता होगा तो दे देगा, खाता होगा तो खाएगा’ इस पंक्ति से स्पष्ट होने वाला अर्थ लिखिए।

Solution: फूल को केवल अपने स्वाभिमान से मतलब है। उसे किसी चीज को पाने अथवा खो जाने की चिंता नहीं है। जो मिलना होगा, मिलेगा और जो नुकसान होगा, होगा। उसे उसकी चिंता नहीं है।

स्वाध्याय | Q (७) | Page 81

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :

1. रचनाकार का नाम
2. रचना का प्रकार
3. पसंदीदा पंक्ति
4. पसंदीदा होने का कारण
5. रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा

Solution:

1. **रचनाकार का नाम** - बालकवी बैरागी।
2. **रचना का प्रकार** - गीत।
3. **पसंदीदा पंक्ति** - 'चाहे सभी सुमन बिक जाएँ, चाहे ये उपवन बिक जाएँ चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा।
4. **पसंदीदा होने का कारण** - इन पंक्तियों में फूल हर हालत में जीवन में अपने स्वाभिमान को सर्वोपरि मानता है। इसके लिए उसे कोई भी त्याग करना पड़े, तो वह इसके लिए तैयार है, पर वह अपने स्वाभिमान को हर हालत में बनाए रखना चाहता है।
5. **रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा** - प्रस्तुत रचना से यह संदेश मिलता है कि स्वाभिमान मनुष्य की सबसे बड़ी धाती है। हमें हर हालत में इसकी रक्षा करनी चाहिए। यदि स्वाभिमान की रक्षा के लिए हमें अपना सर्वस्व निछावर कर देना पड़े, तो भी हँसते-हँसते अपना सब कुछ त्याग देना चाहिए। प्रस्तुत पंक्तियों से हमें यही प्रेरणा मिलती है।